सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय

विद्याशाखा : मानवविज्ञान विद्याशाखा

पीएच.डी. कोर्सवर्क

पाठ्यक्रम : हिंदी

शैक्षिक वर्ष : २०२४-२५ से

हिंदी पीएच.डी.छात्रों के लिए, परिवर्तित नियमानुसार प्रवेश प्राप्त करने के पश्चात कोर्स वर्क पूर्ण करना अनिवार्य है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में ऐसे विषयों का समावेश किया गया है जो शोध कार्य के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

प्रत्येक प्रश्नपत्र ४ क्रेडिट पॉइंट्स के लिए १०० अंकोंका होगा।

कुल १६ क्रेडिट पॉइंट्सका विभाजन इस प्रकार होगा :

क्र.	**पाठ्यचर्या का नाम**	**क्रेडिट**	**अंक**
१	शोध : स्वरूप, प्राविधि और प्रक्रिया	४	१००
२	तुलनात्मक साहित्य	४	१००
३	हिंदी भाषा और साहित्य : आंतरानुशासनीय अध्ययन	४	१००
४	शोध अभ्यास	४	१००

पाठ्यचर्या - १

शोध : स्वरूप, प्राविधि और प्रक्रिया

(४ क्रेडिट) १०० अंक

१. शोध का स्वरूप : शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य, शोध विशेषतायें और उनका विश्लेषण, शोध के उद्देश्य, शोध की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठता, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता ।

२. शोध और आलोचना।

३. शोध के मूल तत्व।

४. शोध के प्रकार : साहित्यिक, साहित्येत्तर, दोनों में साम्य-वैषम्य, अंत:संबंध, साहित्यिक शोध के प्रकार : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय शोध का सामान्य परिचय।

५. शोध की प्रक्रिया : विषय-चयन, सामग्री संकलन, हस्तलेख-संकलन एवं उपयोगिता, सामग्री का विश्लेषण, निष्कर्ष स्थापना।

६. हिंदी से संबंधित तकनिकी ज्ञान : कम्प्यूटर-एम.एस. वर्ड, यूनिकोड, फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफ़िक्स, डी मल्टीमीडिया, इंटरनेट, वेबसाइट, इ-कॉमर्स आदि का सामान्य परिचय।

७. शोध-प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध शीर्षक, निर्धारण, रुपरेखा, भूमिका-लेखन अध्याय-विभाजन, संदर्भ पाद टिप्पणी, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, टंकन, वर्तनी सुधार।

८. शोधलेख - लेखन प्राविधि, शोध सहिंता, (प्लगरीज़म) शोध सारांश लेखन।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. शोध प्रविधि : डॉ. विनयमोहन शर्मा

२ . शोध की प्रक्रिया : डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक

३. शोध का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह

४. साहित्य सिद्धांत और शोध : डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
५. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा : डॉ. मनमोहन सहगल
६. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका : डॉ. सरनान सिंह शर्मा
७. शोध स्वरुप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि : डॉ. वैजनाथ सिंहल
८. शोध विज्ञान कोश : डॉ. दू.का.संत, पुणे विद्यार्थी गृह प्रकाशन, पुणे

***

पाठ्यचर्या–२

तुलनात्मक साहित्य

(४ क्रेडिट) १०० अंक

१. तुलनात्मक साहित्य : परिभाषा और स्वरुप, तुलनात्मक अध्ययन का महत्त्व

२. तुलनात्मक साहित्य : प्राविधि : कृति और साहित्यकार के संदर्भ में युग, दर्शन, साहित्य विधा, भाषा और तुलनात्मक अध्ययन

३. तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन क्षेत्र

- एक भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन
- एक भाषा के दो कृतियोंका का तुलनात्मक अध्ययन
- भिन्न भाषा के दो कृतियोंका का तुलनात्मक अध्ययन
- भिन्न भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

४. विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन :

- एक या भिन्न भाषाओं की विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन
- विधाओं के रूपांतरण का तुलनात्मक अध्ययन

५. अनुवाद : परिभाषा, स्वरुप और प्रिविधि

६. तुलनत्मक साहित्य में अनुवाद का महत्त्व

७. भारतीय साहित्य की अवधारणा

८. साहित्य और फिल्मांतरण

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. तुलनात्मक साहित्य : संपादक डॉ. राजमल बोरा

२. अनुवाद क्या है? : संपादक डॉ. राजमल बोरा

३. अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलनाथ तिवारी

४. अनुवाद स्वरुप : डॉ. सुरेशकुमार

५. अनुवाद सिद्धांत : डॉ. जी. गोपीनाथम

६. भारतीय साहित्य की भूमिका : डॉ. रामविलास शर्मा

७. भारतीय साहित्याची संकल्पना : संपादक डॉ. द. दि. पुंडे

***

पाठ्यचर्या–३

हिंदी भाषा और साहित्य : आंतरानुशासनीय अध्ययन

(४ क्रेडिट) १०० अंक

१. साहित्य और विचारधारा

अ) भक्ति साहित्य के दार्शनिक आधार : अद्वैतवाद, विशिष्टद्वैतवाद, और सुफिवाद

ब) आधुनिक साहित्य के दार्शनिक आधार : मार्क्सवाद, अस्तित्त्ववाद, आंबेडकरवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, गांधीवाद, संरचनावाद, प्रकृतिवाद

२. साहित्य और भाषाविज्ञान

३. साहित्य और समाजविज्ञान : समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीति

४. साहित्य और मनोविज्ञान

५. साहित्य और विज्ञान : विज्ञान कथा साहित्य, साहित्य और चलचित्र

६. साहित्य और विविध विमर्श

७. साहित्य और पर्यावरण

८. साहित्य और सौंदर्यशास्त्र

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. भाषा और समाज : डॉ. रामविलास शर्मा

२. साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ. मैनेजर पांडेय

३. साहित्य का समाजशास्त्र : डॉ. रामविलास शर्मा

४. साहित्य कोश भाग १ : संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञान मंडल, वारणसी

५. उत्तर आधुनिकता साहित्य विमर्श : डॉ. सुधीर पचौरी

६. उत्तर आधुनिकता, और प्राच्य काव्यशास्त्र : डॉ. गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

७. हिंदी साहित्य मे विविध वाद : डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल, लोकभारती, इलाहबाद

८. भारतीय तथा पाश्चत्य काव्यशास्त्र : डॉ. सुरेशकुमार जैन, प्रा। महावीर कंडारकर, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपूर

९. हिंदी साहित्य का इतिहास नये विचार नई दृष्टि : संपादक, डॉ. सुरेशकुमार जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

१०. अथातो सौंदर्य जिद्न्यासा : डॉ. रमेश कुंतल मेघ

११. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेंद्र

१२. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरणकुमार लिंबाले

***

पाठ्यचर्या–४

शोध अभ्यास

(४ क्रेडिट) १०० अंक

१. क्षेत्रीय भेंट

२. पुस्तक समीक्षा

३. संगोष्ठी

४. शोधालेख

***